वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 317 | शुक्रवार 17 मार्च 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थानी को राजभाषा बनाने के लिए कानून की तैयारी

मंत्री कल्ला बोले - 20 साल से केंद्र में अटका प्रस्ताव

जयपुर. कासं

राजस्थानी भाषा को राजभाषा का दर्जा दिलाने के लिए सरकार ने प्रक्रिया शुरू कर दी है। दूसरे राज्यों की स्थानीय भाषाओं की तज पर राजस्थानी को भी जल्द राजभाषा बनाने का फैसला होने के आसार हैं। विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने राजस्थानी को मान्यता और राजभाषा का दर्जा देने का मामला उठाया। शिक्षा मंत्री बीडी कल्ला ने कहा कि राजस्थान में अभी राजस्थान ऑफिशियल लैंग्वेज एक्ट 1956 लागू है। राजस्थानी भाषा को राजभाषा में शामिल करवाने के लिए ऑफिशियल लैंग्वेज एक्ट 1956 में संशोधन करने के लिए मामले का परीक्षण करवाया जा रहा है। भाषा विभाग के मंत्री ने एक कमेटी बनाई है। यह कमेटी बनना राजस्थानी को राजभाषा बनाने की प्रक्रिया की शुरूआत है।

राठौड़ बोले- ऑफिशियल लैंग्वेज एक्ट में बदलाव करे सरकार, इसके बिना मान्यता नहीं मिलेगी

उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा- 25 अगस्त 2003 को राजस्थानी भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल करने का सर्वसम्मत प्रस्ताव भेजा गया था। संविधान के आर्टिकल 325 के प्रावधानों के हिसाब से राज्य सरकार राजभाषा घोषित कर सकती है। राजस्थान ऑफिशियल लैंग्वेज एक्ट 1956 बना हुआ है, हम इसमें संशोधन करके राजस्थानी को राजभाषा बना सकते हैं। अगर राजस्थानी राजभाषा बन जाएगी तो आरएएस परीक्षा में भी वैकल्पिक भाषा के तौर पर आ जाएगी और हमारे बच्चों को नौकरी मिलने में आसानी होगी। नई शिक्षा नीति में मातृभाषा में शिक्षा देने का प्रावधान है। इस मामले में 18 अगस्त 1997 को माध्यमिक शिक्षा बोर्ड में एक बैठक होनी थी वह बैठक आज तक नहीं हुई। जब सिक्किम, छत्तीसगढ़ गोवा में राजभाषाएं बन सकती हैं तो हम क्यों नहीं बना सकते। राठौड़ ने कहा 17 भाषाओं को राजभाषा बनाया, हम किसका इंतजार कर रहे हैं। राजस्थानी को यूजीसी ने मान्यता दे रखी है। नेपाल सरकार ने मान्यता दे रखी है। अमेरिका ने माना है, नेट की परीक्षा होती है।

कल्ला बोले– राजस्थानी को आठवीं अनुसूची में शामिल करवाने पीएम से मिलें सभी विधायक

मंत्री बीडी कल्ला ने कहा- 25 अगस्त 2003 को मैं भाषा विभाग का मंत्री था और उस वक्त सर्वसम्मति से राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने का प्रस्ताव पारित हुआ था। मुझे अफसोस है 20 साल बाद भी राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल नहीं किया, जबकि महापात्रा कमेटी ने इसे योग्य माना था। केंद्र सरकार इस पर निर्णय नहीं कर रही है। हम सब दलों के विधायक एक साथ प्रधानमंत्री से मिलें और राजस्थानी को आठवीं अनुसूची में सम्मिलित करवाएं।

जब तक राजभाषा नहीं बनेगी तब तक केंद्र आठवीं अनुसूची में शामिल नहीं करेगा

मंत्री कल्ला के जवाब पर राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि सीताकांत महापात्र और एक पाहवा समिति ने यह कहा है मातृभाषा को जब तक प्रारंभिक शिक्षा नहीं पढ़ाई जाती तब तक उस की आठवीं अनुसूची में शामिल नहीं किया जा सकता। हम आठवीं अनुसूची के लिए कितने वर्षों से प्रयास कर रहे हैं। आप आर्टिकल 343 के तहत इससे पहले ऑफिशियल लैंग्वेज एक्ट में संशोधन लेकर आएं, इसके बिना मान्यता नहीं मिलेगी।

एबीवीपी ने पुलिस की सद्बुद्धि के लिए गाए भजन

दंडवत होकर पूछा- 48 घंटे बाद भी कार्यकर्ताओं को कोर्ट में पेश नहीं कर रही पुलिस

जयपुर. कासं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को काले झंडे दिखाने पर विवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। गुरुवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से लगातार दूसरे दिन गांधीनगर पुलिस स्टेशन पर प्रदर्शन किया गया। इस दौरान एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने भजन और रामधुनी गाकर पुलिस की सद्बुद्धि की कामना की। एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने कहा कि 48 घंटे से ज्यादा का वक्त बीत गया है। लेकिन अब तक बेकसूर कार्यकर्ताओं को कोर्ट में भी पेश नहीं किया गया है। वहीं पुलिस उन्हें फंसाने के लिए झूठी धाराएं लगा रही है। जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेंगे। अगर आज एबीवीपी के कार्यकर्ताओं को नहीं छोड़ा गया। तो शुक्रवार से प्रदेशभर में सरकार के खिलाफ आंदोलन की शुरूआत करेंगे। एबीवीपी के राष्ट्रीय मंत्री होशियार मीणा ने कहा कि कल भी हमने शांतिप्रिय तरीके से गांधीनगर पुलिस स्टेशन पर प्रदर्शन किया था। लेकिन बावजूद इसके पुलिस हमारी वाजिब मांगों को नहीं मान रही। बल्कि लोकतांत्रिक तरीके से प्रदर्शन करने वाले कार्यकर्ताओं को जेल में डाला जा रहा है। उनके खिलाफ झूठी धाराएं लगाकर उन्हें कोर्ट में भी पेश नहीं किया गया है।

सार्थक मानव कुष्ठ आश्रम में रंगकर्मियों ने अभिनय से चौथमल मास्साब को जीवंत किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

सार्थक मानव कुष्ठ आश्रम में बुधवार की शाम पंकज सुधीर की कहानी चौथमल मास्साब का मंचन किया गया। इस नाटक का निर्देशन युवा निर्देशक अनिल मारवाड़ी ने किया और इस कहानी का नाट्य रूपांतरण नीरज गोस्वामी ने किया। राजस्थानी लोकनाट्य शैली पर आधारित नाटक में दिखाया गया कि पेट की भूख से अधिक शारीरिक भूख के कारण मनुष्य सामाजिक मूल्यों को भी बिसरा जाता है। कहानी का ताना बाना एक स्कूल मास्टर के अपने गांव से दूसरे गांव में ट्रांसफर हो जाने के कारण वह अपनी पड़ोसन की ओर आकर्षित होने लगता है वही पड़ोसन कम्मो सहज और निश्चल भाव से मास्टर जी को पिता तुल्य मानती है स्थितियों के बीच जो हास्य उत्पन्न हुआ है उससे दर्शक रोमांचित महसूस करते हैं और जब अंत में रहस्य खुलता है तो मास्टर साहब अपने को ठगा सा महसूस करते हैं। राजस्थानी लोक संगीत का पुट होने के कारण नाटक के कथ्य को बल मिलता है। चौथमल मास्साब की मुख्य भूमिका में वरिष्ठ रंगकर्मी ईश्वर दत्त माथुर ने पात्र को बखूबी निभाया । उनका गायन और लोक नृत्य नाटक के अनुकूल रहा। लक्ष्मी की भूमिका में सरस्वती उपाध्याय, कम्मों की भूमिका में देवयानी सारस्वत , सरपंच की भूमिका में मनोज स्वामी और स्कूल के निरीक्षक की भूमिका में नीरज गोस्वामी ने अभिनय की गहरी छाप छोड़ी। नाटक ने मोइनुद्दीन खांन, मनोज आडवाणी, रेनू सनाड्य,तपेश शर्मा,अद्वैत, आध्या मिहिजा, कवितेश और जीवतेश शर्मा ने भी अभिनय किया। नाटक में सेट डिजाइन आलोक पारीक और प्रकाश परिकल्पना राजेंद्र शर्मा राजू की रही। सार्थक मानव कुष्ठ आश्रम के श्री सुरेश कौल ने दर्शकों का स्वागत करते हुए आश्रम की गतिविधियों और वहां के रहवासियों की जानकारी दी। अंत में उन्होंने सभी कलाकारों को स्मृति स्वरूप आश्रम में तैयार किए गए टेबल कवर भेंट किये।

दिगंबर जैन समाज ने आदिनाथ जयंती धूमधाम से मनाई

जिनालय में हुए विविध धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन

निंबाहेड़ा. शाबाश इंडिया। गुरुवार को दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में आदिनाथ जयंती पर जैन संतो के सानिध्य में विविध धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। दिगंबर जैन समाज के प्रवक्ता मनोज सोनी के अनुसार गुरुवार को आदिनाथ जयंती महोत्सव संत मुनि श्री सुबुध सागर एवम मुनि सुविध्य सागर के सानिध्य में सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में सरावगी गली स्थित आदिनाथ जिनालय में बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर परिसर में बड़ी मात्रा में उपस्थित होकर क्षुद्धालुजनो ने मुनि सुबुद्ध सागर एवम सुवीध्य सागर के सानिध्य में गुरुवार प्रातः सामूहिक आदिनाथ विधान पूजा, महाकलशाभिषेक, शांतिधारा के साथ विविध धार्मिक क्रियाएं कर भगवान के समक्ष अर्घ्य विसर्जित किए। इस अवसर पर ज्योतिषाचार्य पंडित भागीरथ जोशी नीमच द्वारा संपादित कई पुस्तकों के लेखन को लेकर समाज स्तर पर महाराज श्री से आशीर्वाद प्राप्त कर सम्मानित किया गया। मुनि श्री के प्रवचन के पश्चात भक्ति संध्या, भक्तांबर स्त्रोत इत्यादि कार्यक्रमो मे बड़ी संख्या में धर्मावलंबियो ने गुरुदेव के प्रति भक्ति, अगाध आस्था, समर्पण भाव प्रकट किया। आयोजन के तत्पश्चात मुनि श्री की श्रावको ने आहारचर्या संपन्न हुई। इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष सोहन लाल जैन, महामंत्री महेंद्र पाटनी, उपाध्यक्ष अशोक गदिया, सुशील काला, सुमति लाल पटवारी, प्रेमचंद जैन, इंदुबाला सोनी, प्रेमचंद मोदी, रिंकू सोनी, सुलोचना जैन, अंजू गदिया, शशि जैन, संगीता जैन, पिंकी जैन आदि ने धर्म लाभ लिया।

भगवान ऋषभदेव की जन्म जयन्ती को तीर्थंकर जन्म कल्याणक के रूप में मनाया

बामनवास. शाबाश इंडिया। जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर एवं श्रमण संस्कृति के जनक देवाधिदेव भगवान श्री 1008 ऋषभदेव स्वामी के जन्म कल्याणक को संत शिरोमणी आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज एवं परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनी पुंगव श्री 108 सुधा सागर जी महाराज के आदेशानुसार दिगम्बर जैन मन्दिर पिपलाई द्वारा तीर्थंकर जन्म कल्याणक के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर समुदाय के युवाओं के द्वारा कलशो से श्री भगवान 1008 ऋषभदेव स्वामी का अभिषेक कर 64 ऋद्धी -सिद्धी मंत्रो के साथ वृहद शांति धारा की गई। इस अवसर पर सकल दिगम्बर जैन समाज के प्रवक्ता बृजेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि भगवान ऋषभदेव ने असि मसि -कृषि के मूल्यवान सिद्धांतो का प्रतिपादन कर व्यक्ति के अंतरंग और बहिरंग दोनो ही तलो पर उन्नयन की शिक्षा प्रदान की थी इन्हे दिगम्बर संस्कृति का जनक कहा जाता है। समाज में स्त्रीशिक्षा के महत्व को स्थापित करने के लिए भगवन ऋषभदेव ने अपनी पुत्री ब्राह्मी को लिपि लिखने का एवं सुन्दरी को इकाई,दहाई आदि अंक विद्या सिखाई और अपने पुत्र भरत,बाहुबली को सभी विद्याओं का अध्ययन कराया तथा जीवन में कलाओं के महत्व को स्थापित करने के लिए 72 कलाओं का उपदेश दिया। इस अवसर पर रमेश चन्द जैन, विनोद जैन, मुकेश जैन, सुनील जैन, आशु जैन, जिनेन्द्र जैन, सुमनलता जैन, एकता जैन, आशा जैन, राजुल जैन, ललिता जैन, रजनी जैन, सपना जैन आदि श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित थे।

भगवान आदिनाथ जन्म जयन्ती समारोह आयोजित

श्री दिगम्बर जैन मंदिर यति यशोदानन्दजी मंदिर चौड़ा रास्ता जयपुर में असि, मसि कृषि, विद्या, वाणिज्य, कला और शिल्प के प्रणेता, जैन धर्म के प्रवर्तक एवं प्रथम तीर्थंकर 1008 भगवान आदिनाथ की जयन्ती पर झंडारोहण के बाद भव्य जल-यात्रा वर्ष (1972) से लगातार निकल रही है जिसमें स्नेहिल वनिता संघ, श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महिला महासभा, त्रिशला महिला मण्डल, जिनभक्ति महिला मण्डल, राजस्थान जैन युवा महासभा आदि सहित प्रमुख महिला मण्डल, सामाजिक संस्थाएं व समाज के गणमान्य व्यक्ति शामिल रहे। मंदिरजी में झंडारोहण सवेरे 8.30 बजे श्री राजीव-सीमा जैन गाजियाबाद वाले द्वारा किया गया व शिखर ध्वजा पताका स्थापना जीवनलाल बगड़ा परिवार द्वारा उसके बाद जल-यात्रा इंन्द्र-इन्द्राणी-एकता जैन- अंकित जैन ने जुलुस रवाना किया। जलयात्रा में भगवान आदिनाथ पालकी में बैंण्ड बाजों एवं झांकियों के साथ चली व श्रीजी की श्रद्धालुओं व साधर्मियों ने जगह-जगह आरती, नृत्य व पुष्प वर्षा की गई। जल-यात्रा जुलुस मंदिर से रवाना होकर संघीजी के रास्ते से संघीजी का मंदिर, विन्दुकों का मंदिर, सिरमोरियों का मंदिर, चम्पारामजी पाण्डया का मंदिर, लश्कर-पाटौदी का मंदिर, लालजी सांड का रास्ते में छोटे दीवानजी का मंदिर, पापलीवालों का मंदिर से चौड़ा रास्ता होते हुये वापस मंदिरजी पहुंची जहां मूलनायक आदिनाथ भगवान का अभीषेक एवं 108 दीपको से आरती की गई।

रजवास ग्राम में श्री श्री 1008 आदिनाथ भगवान की जन्म जयंती मनाई

मोहन सिंहल.शाबाश इंडिया

निवाई। शहर के समीप रजवास ग्राम में श्री श्री 1008 आदिनाथ भगवान की जन्म जयंती कार्यक्रम बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया । जिसमें निवाई व रजवास ग्राम के अनेकों धर्मावलंबियों द्वारा भाग लिया। जन्म जयंती कार्यक्रम मे प्रीति जैन, आयुषी जैन, शिवानी जैन, पिंकी, बबली, सपना व पूजा जैन के साथ-साथ ज्योति छाबड़ा भी मौजूद थी। जन्म जयंती के शुभ अवसर पर भगवान की शांति धारा करने का सौभाग्य त्रिलोक चंद जैन रजवास वाला को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में त्रिलोक रजवास, रतन लाल जैन, प्रिंस, भानु जैन, योगेश जैन,राहुल जैन, टोनू जैन, अशोक गंगवाल, सुनील जैन, अनिल जैन दिनेश ई मित्र निवाई के साथ-साथ ही वार्ड मेंबर निवाई के नितिन जैन भी जन्म जयंती कार्यक्रम में मौजूद थे।

जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ का जन्म और तप कल्याणक मनाया

फागी. शाबाश इंडिया

फागी कस्बे में आज आदिनाथ जिनालय, मुनिसुव्रतनाथ जिनालय, पार्श्वनाथ जिनालय, चंद्रप्रभु जिनालय तथा त्रिमूर्ति दिगंबर जैन मंदिर जिनालय सहित परिक्षेत्र के चकवाड़ा, चोरू नारेडा, मंडावरी, मेहंदवास, निमेड़ा, तथा लदाना सहित परिक्षेत्र के सभी जिनालयों में जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ का जन्म और तप कल्याणक जोर-शोर से मनाया गया। जैन समाज के मीडिया प्रवक्ता राजाबाबू गोधा ने बताया कि, कार्यक्रम में श्री त्रिमूर्ति दिगंबर जैन मंदिर में हुए विशेष कार्यक्रम में मूलनायक श्री आदिनाथ भगवान के जन्म एवं तप कल्याणक के अवसर पर परम पूज्य आर्यिका 105 श्री श्रुत मति माताजी ससंघ की मंगल प्रेरणा एवं आशीर्वाद से मूलनायक खड़गासन प्रतिमा का विभिन्न प्रकार के शुद्ध द्रव्यो से भव्य पंचामृत अभिषेक एवं शांति धारा की गई ,इस अवसर पर भगवान आदिनाथ के प्रथम कलश एवं महाशांति धारा करने का सौभाग्य राजाबाबू गोधा ,उदित कुमार गोधा(नारेड़ा) फागी ने प्राप्त किया और भगवान को प्रथम पालना झुलाने का सौभाग्य हनुमान प्रसाद , मुकेश कुमार कलवाड़ा वालों ने प्राप्त किया कार्यक्रम में समाजसेवी मनीष गोधा लदाना ने बताया कि इस अवसर पर भगवान का अनार रस, संतरा रस ,अंगूर रस, नारियल जल, शर्करा, घृत, दुग्ध, दही, सर्वौषधी, सुगंधित जल, चंदन लेपन आदि शुद्ध द्रव्यों से अभिषेक किया गया उसके पश्चात अखंडित पुष्पों से भगवान पर पुष्प वृष्टि की गई तत्पश्चात आरती और भगवान को पलना झुलाया गया।

वेद ज्ञान

मानसिक शक्ति को बढ़ाएं...

जैसे योग, आसन और व्यायाम के बगैर मानव शरीर पुष्ट नहीं होता ठीक उसी प्रकार मन का कार्य उचित तरीके से संपन्न करने के लिए कुछ न कुछ मानसिक योग-व्यायाम भी आवश्यक हैं। जिस मानव में असीम शारीरिक शक्ति हो, लेकिन मन का स्वरूप विकसित न हो उसे पूर्ण मनुष्य नहीं कहा जा सकता। क्या आपके मन में बीते हुए दुर्बल और हानिकारक विचार उत्पन्न होते हैं? ऐसे विचारों के लिए अंतःकरण शुद्ध कीजिए। इन्हें स्वच्छ करना बहुत जरूरी है। समस्त रोग, शोक, दुख और निराशा के विचार मानसिक संस्थान में विषैले कीटाणु उत्पन्न करते हैं। इसलिए इनसे युक्त रहने का प्रयास करते रहना चाहिए। मन का मैल निकाल देने पर व्यक्ति उत्तम रीति से कार्य संपन्न कर सकता है। व्यक्ति का पहला मानसिक दोष उसकी अत्यधिक चंचलता है। स्वभावतः मन चंचल है, किंतु उसका रंग-बिरंगी तितली की भांति एक फूल से दूसरे फूल पर मंडराना गलत है। कोई तत्व, विशेष विचार या भावना को ले लीजिए। वह चाहे जैसा शुष्क क्यों न हो उस पर मन की समग्र वृत्तियों को एकाग्र कर दीजिए। मन कुछ समय उपरांत भागेगा, किंतु आप संयम द्वारा उसे बांधे रखिए। विचलित न होइए। इस क्रिया से मन में दृढ़ता आती है। मनन करना मन का श्रेष्ठ नहीं सर्वश्रेष्ठ व्यायाम है। आप सारे दिन किस प्रकार के विचारों का चिंतन-मनन करते हैं? किन-किन विभिन्न वृत्तियों और भावनाओं में दिन गुजारते हैं? अपने मन के द्रष्टा बनकर पूर्ण परीक्षा कीजिए। शास्त्र कहते हैं कि जो मनुष्य अपने विषय में तुच्छ विचार रखता है, वह भयंकर मानसिक रोग से पीड़ित है। एक ऊंची भावना मन में लेकर उसी विषय में निमग्न होकर विचरण करें। उसी से आत्मा को स्नान कराते रहें। शुभ विचार से द्वेष, घृणा, ईर्ष्या आदि का उद्भव नहीं होता। निरोग मन बनाने के लिए अपने ईश्वर तत्व को प्रकाशित कीजिए। आपके मन का प्रत्येक अणु ईश्वर तत्व से अनुप्राणित है। ईश्वर के मार्ग प्रकाश में अवरोध न डालिए। यदि अध्ययन, मनन या साधना के समय मन को दृढ़ता से एकाग्रचित्त न किया जाए तो उसके फल प्राप्त ही नहीं होते। अशुभ चिंतन मानसिक दुर्बलता का प्रतीक है। इससे मन की कार्य करने वाली शक्तियां विनष्ट होती हैं। उत्साह क्षीण होता है। आशावादिता नष्ट होती है।

संपादकीय

नई ऊंचाईयों पर अब भारतीय सिनेमा

''आरआरआर'' फिल्म के गीत ''नाटू-नाटू'' को मिली कामयाबी के पीछे छिपी अहमियत का अंदाजा इसे देखते-सुनते हुए हो जाता है। नृत्य निर्देशन और गीत के शब्दों का संयोजन ऐसा प्रभाव पैदा करता है, जिसे देखते हुए आम दर्शक भी मंत्रमुग्ध हो जाता है। इसमें दो राय नहीं कि भारतीय सिनेमा की दुनिया में जितनी फिल्में भी बनी हैं, उनमें से कई को देश-विदेश में अलग-अलग मानकों पर बेहतरीन रचना होने का गौरव मिला। जहां तक वैश्विक स्तर पर सिनेमा के सबसे ऊंचा माने जाने वाले आस्कर पुरस्कारों का सवाल है, बहुत कम भारतीय फिल्मों को उसमें कुछ महत्त्वपूर्ण हासिल करने का मौका मिला। लेकिन पंचानबेवें अकादमी पुरस्कारों यानी आस्कर में भारत में बनी दो मुख्य कृतियों को जो उपलब्धि मिली है, वह निश्चित रूप से यहां के सिनेमा प्रेमियों के लिए खुश होने वाली बात है। गौरतलब है कि इस साल आस्कर के लिए भारत की ओर से तीन फिल्मों ने मजबूत दावा पेश किया था। लेकिन इनमें दक्षिण भारत में बनी फिल्म आरआरआर के एक गीत नाटु-नाटु ने चयनकताओं के सामने ऐसी स्थिति बनाई कि उसे सबसे अच्छे मौलिक गीत की कसौटी पर इस श्रेणी के पुरस्कारों के लिए नामांकित बाकी सभी प्रविष्टियों पर भारी माना गया। स्वाभाविक ही पहले ही काफी मशहूर हो चुके गीत नाटू-नाटू को सबसे अच्छी मौलिक प्रस्तुति का पुरस्कार दिया गया। इस बार भारत को दूसरी बड़ी कामयाबी के तहत द एलिफेंट विस्पर्स को सबसे अच्छे लघु वृत्तचित्र का तमगा मिला। हालांकि इसी श्रेणी में नामांकित आल दैट ब्रीद्स को अपेक्षित उपलब्धि नहीं मिल सकी।

दरअसल, आरआरआर फिल्म के गीत नाटू-नाटू को मिली कामयाबी के पीछे छिपी अहमियत का अंदाजा इसे देखते-सुनते हुए हो जाता है। नृत्य निर्देशन और गीत के शब्दों का संयोजन ऐसा प्रभाव पैदा करता है, जिसे देखते हुए आम दर्शक भी मंत्रमुग्ध हो जाता है। इस बार खुश होने वाली दूसरी वजह द एलिफेंट विस्पर्स का चुना जाना है, जिसे बेहतरीन लघु वृत्तचित्र की श्रेणी में दाखिल तमाम नामांकित फिल्मों से अच्छा माना गया। खासतौर पर स्ट्रेंजर ऐट द गेट और हाउ डू यू मेजर अ ईयर जैसी प्रविष्टियों के बजाय अगर इसे सर्वश्रेष्ठ माना गया तो इसके आधार हैं। द एलिफेंट विस्पर्स तमिलनाडु के मुदुमलाई बाघ अभयारण्य में हाथी की देखभाल करने वाले एक भारतीय दंपति बोम्मन और बेल्ली के जीवन पर आधारित है, जिसमें कट्टूनायकन समुदाय की जीवन शैली से जुड़े अलग-अलग पहलुओं को बेहतरीन तरीके से फिल्माया गया है। जाहिर है, इन दोनों कृतियों के असर को आस्कर के लिए पात्र मानने वाले चयनकताओं ने भी महसूस किया हो और उसे इन श्रेणियों में दाखिल अन्य प्रविष्टियों में सबसे बेहतर माना होगा। सच यह है कि आस्कर 2023 में भारत ने बेहतरीन सिनेमा के मामले में अपने स्तर पर एक अहम इतिहास दर्ज किया है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

कानून और बहस!

समलैंगिक विवाह को मौलिक अधिकार बनाने की मांग स्वाभाविक ही संवैधानिक तकाजे और विवाह संबंधी सामाजिक अवधारणा के बीच बहस का विषय बन गई है। सर्वोच्च न्यायालय में हलफनामा दायर कर केंद्र सरकार ने कहा कि वह समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने के पक्ष में नहीं है। भारतीय समाज में विवाह की अवधारणा एक स्त्री और पुरुष के बीच के संबंधों पर आधारित है, जिससे संतानोत्पत्ति हो सके। अगर समलैंगिक विवाह को मान्यता दी जाती है, तो उससे स्वीकृत सामाजिक मूल्यों और व्यक्तिगत कानूनों के बीच का नाजुक संतुलन बुरी तरह प्रभावित होगा। एक समलैंगिक जोड़े ने सर्वोच्च न्यायालय में अपने विवाह को मान्यता देने की गुहार लगाई थी, जिस पर अदालत ने सरकार से जवाब मांगा था। उसी संबंध में केंद्र का ताजा जवाब आया है। हालांकि समलैंगिक विवाह को मान्यता देने संबंधी कई याचिकाएं दिल्ली उच्च न्यायालय और दूसरी अदालतों में लंबित हैं। इस तरह सर्वोच्च न्यायालय में उठे मामले में जो भी फैसला आएगा, वह तमाम ऐसी याचिकाओं में मिसाल बनेगा। केंद्र के हलफनामे के बाद सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले पर विचार के लिए संविधान पीठ का गठन कर दिया है, जो इससे संबंधित संवैधानिक पहलुओं पर विचार करने के बाद किसी निर्णय पर पहुंच सकेगी। सरकार के इस तर्क को सिरे से नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि भारत जैसे देश में विवाह स्त्री और पुरुष का एक पवित्र बंधन माना जाता है। इसलिए समाज कभी दो समान लिंग के व्यक्तियों का पति-पत्नी की तरह रहना स्वीकार नहीं कर सकता। ऐसे में कोई भी सरकार ऐसा कोई विधान बनाने को तैयार नहीं हो सकती, जो सामाजिक मूल्यों के विरुद्ध जाता हो। मगर सवाल यह भी है कि जब समाज खुद बदलती स्थितियों के मुताबिक अपने मूल्यों में बदलाव करता रहता है, तो कानूनों में लचीलापन लाने से क्यों परहेज होना चाहिए। दुनिया के करीब तीस देशों में समलैंगिक विवाह को मान्यता प्राप्त है, पर वहां भी लंबे संघर्ष के बाद ही समलैंगिकों को यह अधिकार मिल सका। इसी तरह भारत में भी साढ़े चार साल पहले तक समलैंगिकता को अपराध की श्रेणी में रखा गया था, मगर सर्वोच्च न्यायालय ने दो समलैंगिकों को साथ रहने की कानूनी आजादी प्रदान कर दी। पर उन्हें विवाह की इजाजत देने को लेकर कई कानूनी अड़चनें हैं, जो दूसरे विवाहों के लिए बनाए गए हैं। मसलन, घरेलू हिंसा, संबंध विच्छेद के बाद गुजारा भत्ता, ससुराल-मायका, पितृ-मातृधन पर अधिकार जैसे मसले जटिल साबित होंगे। उन देशों में भी इन पक्षों पर उलझन बनी हुई है, जहां समलैंगिक विवाह को मान्यता प्राप्त है। मगर इसका दूसरा संवैधानिक पहलू यह भी है, जिसके आधार पर विवाह को मान्यता प्रदान करने की गुहार लगाई गई ह, कि जब हर व्यक्ति को अपनी पसंद के व्यक्ति से विवाह करने का मौलिक अधिकार प्राप्त है, तो फिर समलैंगिकों को इससे वंचित क्यों रखा जा सकता है। मगर सरकार इसे मौलिक अधिकार के क्षेत्र में नहीं मानती। सर्वोच्च न्यायालय के सामने यही पेच है, जिसे संविधान पीठ विचार करके सुलझाने का प्रयास करेगी। कई विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि ऐसे जोड़ों को विवाह की कानूनी इजाजत न मिलने से वे न सिर्फ एक मौलिक अधिकार, बल्कि अनेक अधिकारों से वंचित रह जाते हैं।

श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर एसएफएस मानसरोवर में आदिनाथ जयंती पर हुआ भव्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर एसएफएस मानसरोवर में मंदिर प्रबंध समिति द्वारा भगवान आदिनाथ जयंती समारोह का दो दिवसीय कार्यक्रम भव्यता के साथ मनाया। दिनांक 15 मार्च को भगवान आदिनाथ की सामूहिक आरती के पश्चात सायंकाल 7:30 बजे भक्तामर अनुष्ठान 48 दीपको से सांजो संगीत द्वारा मनीष चौधरी विद्यासागर यात्रा संघ जयपुर के द्वारा भक्ति पूर्वक प्रस्तुत किया। कार्यक्रम प्रारंभ करने से पूर्व आचार्य विद्यासागर जी महाराज के चित्र का लोकार्पण समाज श्रेष्ठि ज्ञानचंद, सुधीर, विजय कुमार, मोहित पाटनी परिवार एवं दीप प्रज्वलित करने प्रोफेसर इंद्रप्रभ, मृदुला, अनुष्का, राहुल मानसरोवर निवासी ने किया। कार्यक्रम आयोजक श्री वर्धमान दिगंबर जैन महिला मंडल की अध्यक्ष उर्मिला पाटनी एवं मंत्री उषा पापड़ीवाल ने कार्यक्रम में सम्मिलित होने वाले सभी महानुभाव का तिलक लगाकर स्वागत किया। 16 मार्च को मंदिर समिति के सानिध्य में प्रातः 6:30 नित्य नियम अभिषेक कार्यक्रम प्रातः 8:00 बजे प्रथम शांतिधारा प्रेमलता, नवीन, अमित गंगवाल चकवाडा वाले एसएफएस मानसरोवर को एवं द्वितीय शांति धारा संतोष, श्रीमती अनीता, शुभम अजमेरा रुपनगढ़ वाले विरासत वेली को आदिनाथ जयंती पर शांति धारा करने का सौभाग्य मिला। समिति के महामंत्री सौभाग मल जैन ने बताया कि इस अवसर पर समाज के सभी परिवारों को जोड़ने के लिए 35 परिवारों के द्वारा 64 चवर स्वर्ण व मोतियों से बने हुए भगवान आदिनाथ के सम्मुख लगाने का सुनहरा अवसर प्राप्त हुआ। उसके पश्चात अष्ट द्रव्य से भगवान आदिनाथ की सामूहिक पूजा की गई। सायंकाल 7:30 पर युवा मंडल द्वारा सामूहिक आरती का आयोजन हुआ।

भगवान आदिनाथ का जन्म कल्याणक महोत्सव मनाया

निवाई. शाबाश इंडिया। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ का जन्म कल्याणक दिवस अनेक धार्मिक अनुष्ठान के साथ मनाया गया। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि श्री दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर जी में जितेश गिन्दोडी के मंत्रोच्चार के साथ बंटी झांझरी नवीन खंडवा अतुल ठोलिया विमल सोगानी सहित कई श्रद्धालुओं ने मूलनायक भगवान आदिनाथ का कलशाभिषेक करके विश्व में शांति की कामना के लिए श्रद्धालुओं ने महा शांतिधारा की। गुरुवार को जन्म कल्याणक के अवसर पर सामूहिक जिनेन्द्र आराधना संस्था के अध्यक्ष मनोज पाटनी मंत्री सुनील भाणजा संरक्षक विमल सोगानी एवं संरक्षक प्रेमचन्द सोगानी ने भगवान आदिनाथ के समक्ष दीप

प्रज्वलित किया। इस दौरान सभी श्रद्धालुओं ने भगवान आदिनाथ के साथ नित्य नियम की पूजा अर्चना की। इस दौरान सभी जैन मंदिरों में भगवान आदिनाथ की पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किए गए। जौंला ने बताया कि इस मौके पर णमोकार महामंत्र पाठ भक्तामर के पाठ मूलनायक भगवान आदिनाथ चालीसा के साथ महावीर वन्दना का उच्चारण किया गया। इसी तरह दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर बिचला जैन मंदिर नसियां जैन मंदिर अग्रवाल जैन मंदिर, पार्श्वनाथ जैन मंदिर शिवाजी कालोनी चन्द्र प्रभु जैन मंदिर बंपुई वालो का चेत्यालय, सुरजमल बाबाजी के चैत्यालय पार्श्वनाथ जैन मंदिर आदि जैन मंदिरों में आदिनाथ भगवान के जन्म कल्याणक महोत्सव पर पूजा अर्चना की गई। इस अवसर पर विनोद जैन विमल गिन्दोडी अशोक बिलाला शंभु कठमाणा प्रेमचंद सोगानी नरेश हथौना निशा झांझरी संजू जौंला पूर्णिमा गंगवाल सहित कई लोग मौजूद रहे।

भगवान1008श्री आदिनाथ जी का जन्म एवं तप कल्याणक दिवस हर्षोल्लास से मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन मंदिर जमवारामगढ़ (जयपुर) (अधीनस्थ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्रीमहावीरजी) मे देवाधिदेव 1008 श्री आदिनाथ भगवान का जन्म एवं तप कल्याणक दिवस हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। क्षेत्र के मानद् मंत्री महेंद्र कुमार पाटनी ने बताया कि जयपुर के नजदीक कस्बा जमवारामगढ़ मे अति प्राचीन मंदिर मे मूलनायक भगवान श्री 1008 श्री आदिनाथजी का अभिषेक, शान्तिधारा,पूजन करके,जन्म एवं तप कल्याणक के अर्घ चढाये गये। इस अवसर क्षेत्र कमेटी के मानद् मंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी, सदस्य,पी.के.जैन, अन्य मन्दिरान व्यवस्था समिति के सदस्य योगेश टोडरका सहित, निर्मल संघी, ताराचन्द भौसां, सुरेन्द्र मोदी आदि उपस्थित थे।

बगरूवालान जैन मंदिर मे रेल्वे स्टेशन में आदिनाथ जयंती मनाई

जयपुर. खबर जयपुर की गलियों से। बगरूवालान जैन मंदिर मे रेल्वे स्टेशन में आदिनाथ भगवान का जन्म व तप कल्याणक मनाया गया।इस अवसर पर पंचामृत कलशाभिषेक किया गया सभी ने सामुहिक पूजन व आरती करके पुण्यार्जन प्राप्त किया ।

जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ भगवान का जन्म व तप कल्याणक महोत्सव मनाया

आदिनाथ भगवान की रथ यात्रा नगर के मुख्य मार्गों से निकली

पिडावा. शाबाश इंडिया। गुरूवार को सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर श्री आदिनाथ भगवान का जन्म व तप कल्याणक महोत्सव बड़े हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया।इस अवसर पर नगर के मुख्य मार्गो से भगवान की शोभा यात्रा निकाली गई। जैन समाज प्रवक्ता मुकेश जैन चेलावत ने बताया कि श्री आदिनाथ का जन्म चेत्र मास के कृष्ण पक्ष की नवमी तिथि को उत्तरषाढ़ा नक्षत्र में हुआ था। इस पावन अवसर पर श्री सांवलिया पारसनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र बड़ा मंदिर में प्रातः काल से श्रावक श्राविकाओं ने भगवान का अभिषेक, शांतिधारा, नित्य नियम की पूजन व श्री आदिनाथ भगवान की पूजन की गई। पूजन के पश्चात बड़ा मंदिर से 8 बजे शोभायात्रा प्रारंभ हुई।

आदिनाथ जयन्ती की हार्दिक शुभकामनाऐं

इस पावन पर्व पर भगवान आदिनाथ के सिद्धान्तों एवं शिक्षाओं को अपने जीवन में उतारें और जीवन को सफल बनाऐं।

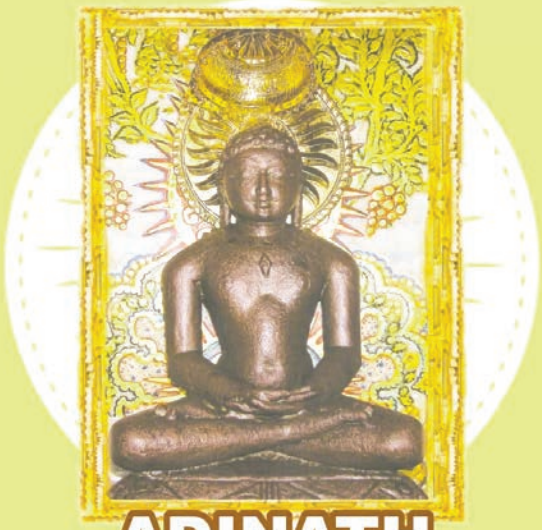

ADINATH Jayanti

RAJEEV-SEEMA JAIN
MD

M/s. GULSHAN RAI JAIN-II
('AA' Class Govt. Contractor)

94140 54571, 99280 90772 gulshanraijain@gmail.com

भगवान महावीर के 2621 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के सहयोग से

मुख्य प्रायोजक: R K GROUP — lasting impressions — Kishangarh, Rajasthan — www.rkmarble.com | www.wondercement.com — WONDER CEMENT EK PERFECT SHURUAAT

सह प्रायोजक: ARL Infratech Ltd.

सह प्रायोजक: समाचार जगत

विभिन्न संस्थाओ के सहयोग से 30 स्थानों पर

रक्तदान शिविर

क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये ।।

मानव सेवार्थ 2621 यूनिट रक्त एकत्र करने के लक्ष्य के साथ निम्न 30 स्थानों पर रक्तदान शिविर आयोजित किये जा रहे हैं ।

क्र.सं.	रक्तदान शिविर		रक्तदान शिविर स्थल	शिविर आयोजक	रक्तदान शिविर आयोजक			
	दिनांक	समय			अध्यक्ष	मंत्री/सचिव	सम्मानीय अतिथि	संयोजक
1.	14 मार्च	प्रातः 9 से 1 बजे तक	श्री महावीर दिगम्बर जैन कॉलेज सी-स्कीम, जयपुर	श्री दिगम्बर जैन महावीर शिक्षा परिषद् सी-स्कीम, जयपुर	श्री उमराव मल संघी	श्री सुनिल बक्शी	--	डॉ. आशीष गुप्ता डॉ. मिनल शर्मा डॉ. नेहा गंगवाल
2.	17 मार्च	प्रातः 9 से 1 बजे तक	संयम भवन, श्री दिगम्बर जनकपुरी जैन मन्दिर ईमली फाटक, जयपुर	प्रबन्ध कार्यकारिणी समिति जनकपुरी जैन मन्दिर दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप संगिनी फोरएवर युवा मण्डल जनकपुरी जैन मन्दिर	श्री पदम बिलाला श्रीमती शकुन्तला बिन्दायका श्री अमित शाह	श्री देवेन्द्र कासलीवाल श्रीमती सुनिता गंगवाल श्री प्रतीक जैन	श्रीमती कमलेश-मनीष ठोलिया श्री विनय, नवीन सेठी	श्रीमती उर्मिला-राकेश जैन श्रीमती अनिता-कैलाश बिन्दायका
3.	19 मार्च	प्रातः 9 से 1 बजे तक	जैन भवन प्रेम कॉलोनी कल्याण नगर, टोंक रोड़	श्री 1008 मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर कल्याण नगर दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप डायमण्ड	श्री उत्तम राणा श्री प्रमोद जैन सोनी	श्री दिनेश धाडूका श्री रमेश छाबड़ा	श्री यशकमल-संगीता अजमेरा	श्री अमरचन्द-बीना गंगवाल श्री प्रवीण-मैना मित्तल
4.	19 मार्च	प्रातः 9 से 2 बजे तक	श्री आदिनाथ भवन, मीरा मार्ग जैन मन्दिर साकेत हॉस्पिटल के पास, मानसरोवर	सखी गुलाबी नगरी श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन समिति, मीरा मार्ग, मानसरोवर	श्रीमती सारिका जैन श्री सुशील कुमार जैन	श्रीमती स्वाति जैन श्री राजेन्द्र कुमार सेठी	श्रीमती रश्मि-गजेन्द्र काला	श्रीमती मनिषा जैन श्रीमती रेशमा गोदिका श्रीमती आशा जैन श्रीमती रानी पाटनी
5.	19 मार्च	प्रातः 9 से 1 बजे तक	वेलटन हॉस्पिटल, 219-220, महावीर नगर, जैन मन्दिर के पास, टोंक रोड़, जयपुर	दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप गुलाबी नगर दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप मैत्री	श्री सुनिल बज श्री सुनिल बड़जात्या	श्री विनोद बड़जात्या श्री अजय जैन	-------	श्री कैलाश-शशि पाटनी श्री महावीर-मुन्ना देवी पाण्ड्या श्री रितेश-रीना अजमेरा श्री अमित-प्रीति जैन
6.	19 मार्च	प्रातः 9 से 1 बजे तक	श्री दिगम्बर जैन मन्दिर SFS, राजावत फार्म, मानसरोवर, जयपुर	श्री वर्धमान दिगम्बर जैन समिति श्री वर्धमान दिगम्बर जैन युवा मण्डल श्री वर्धमान दिगम्बर जैन महिला मण्डल	डॉ. राजेश काला श्री संदीप गंगवाल श्रीमती उर्मिला पाटनी	श्री सोभागमल जैन श्री जिनेन्द्र जैन श्रीमती उषा पापड़ीवाल	श्रीमती कुमकुम जैन श्री साकेत-सोनिया जैन श्री आदेश-प्रियंका जैन कुमकुम फोटा स्टूड़ियो, मानसरोवर	श्री कमलेश पाण्ड्या
7.	19 मार्च	प्रातः 11 से 2 बजे तक	अग्रवाल प्रोपर्टीज NRI जंक्शन, महल रोड़, जगतपुरा	अग्रवाल प्रोपर्टीज jaipurflat.com	श्री अशोक अग्रवाल श्री मुरारी लाल	-------	-------	श्री राकेश कुमार संघी
8.	19 मार्च	प्रातः 9 से 1 बजे तक	मंगलधाम, टोडरमल स्मारक भवन बापू नगर, जयपुर	दिगम्बर जैन महासमिति सी-ईकाई बापू नगर, जयपुर	श्री हीराचन्द बैद	श्री राकेश संघी	CA प्रदीप-सरोज जैन CA आशीष-अन्नू जैन	श्री कैलाश बक्शी
9.	22 मार्च	प्रातः 10 से 5 बजे तक	कार्यालय भवन, सीतापुरा इण्डस्ट्रीज एसोशियन सीतापुरा, जयपुर	सीतापुरा इण्डस्ट्रीज एसोशियन सीतापुरा, जयपुर	श्री निलेश अग्रवाल	श्री शोभित शर्मा	-------	श्री अनिल संघी
10.	23 मार्च	प्रातः 11 से 3 बजे तक	राजवंश पब्लिक सीनियर सैकण्डरी स्कूल बरकत नगर, गली न. 8, टोंक फाटक	दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सम्यक्	श्री महावीर बोहरा	डॉ. इन्द्रकुमार जैन	श्री पुष्पेन्द्र कुमार जी	श्रीमती सीता चौहान श्री नवल जैन
11.	24 मार्च	दोपहर 12 से सायं 4 बजे	TATA AIG General Ins. Co. Plot No. C-93-94, Off. No. 101-103, Fortune Heights, Subhash Marg, C-Scheme, Jaipur	TATA AIG General Ins. Co. Plot No. C-93-94, Off. No. 101-103, Fortune Heights, Subhash Marg, C-Scheme, Jaipur	श्री अमित कुमार शर्मा श्री सुनिल जैन	-------	-------	श्री अमित कुमार शर्मा श्री सुनिल जैन
12.	24 मार्च	दोपहर 3 से सायं 7 बजे	A.D. Enterprises (ADEN) B-15, ट्रांसपोर्ट नगर, LIC के पास, आगरा रोड़	A.D. Enterprises (ADEN)	श्री नितिन जैन श्री समकित जैन	-------	श्री दिनेश-संगीता गंगवाल	श्री नितिन जैन श्री समकित जैन
13.	25 मार्च	प्रातः 9 से 1 बजे तक	शान्तिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर, सेक्टर-3, सत्कार शोपिंग सेन्टर, मालवीय नगर, जयपुर	श्री दिगम्बर जैन मन्दिर ट्रस्ट दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप स्वास्तिक	श्री सी.एल. जैन श्री सतीश बाकलीवाल	------- श्री अजीत बड़जात्या	श्री वीरेन्द्र कुमार-शान्ता जैन	श्री पवन-रेखा ठोलिया श्री राजकुमार-स्नेहलता जैन
14.	25 मार्च	प्रातः 9 से 2 बजे तक	नवकार किचन एण्ड़ हार्डवेयर शॉप नं. 22, सन्नी मार्ट, न्यू आतिश मार्केट, जयपुर	श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा महासभा, जिला जयपुर भारतीय जैन मिलन, जयपुर भारतीय जैन मिलन, महिला विंग	श्री अनिल जैन श्रीमती पूनम तिलक	श्री तरूण जैन श्रीमती अनिता जैन	डॉ. अर्चना शर्मा अध्यक्ष-राज. राज्य समाज कल्याण बोर्ड	श्रीमती सुनिता जैन
15.	26 मार्च	प्रातः 9 से 2 बजे तक	श्री दिगम्बर जैन मन्दिर लाल डिब्बा चौराहे के पास, मुरलीपुरा, जयपुर	दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप वीर श्री महावीर दिगम्बर जैन मन्दिर सेवा समिति, मुरलीपुरा	श्री नीरज जैन श्री धर्मचन्द बड़जात्या	श्री पंकज जैन श्री नीरज जैन	-------	श्री आशीष जैन
16.	26 मार्च	प्रातः 9 से 1 बजे तक	बंजी ठोलिया की धर्मशाला हल्दीयों का रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर	जौहरी बाजार महिला मण्डल जयपुर	डॉ. शीला जैन	डॉ. पुष्पा सौगानी	श्री श्रवण कुमार सुनिल, सौरभ गोदिका श्री शैलेश-सुनीता पाण्ड्या	श्रीमती नीरा लुहाड़िया, तरूणा संघी, विद्या कासलीवाल राज गोधा, सुधा शाह, सुधा वैद, इंदु संघी नलिनी कटारिया, रीना ठोलिया, अर्चना पाटनी मिनाक्षी सोनी, ममता शाह, उमा पाटनी, कविता अजमेरा साधना गोदिका, संगीता छाबड़ा, बबिता सोगानी
17.	26 मार्च	प्रातः 10 से 3 बजे तक	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर थड़ी मार्केट, मानसरोवर, जयपुर	दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप नवकार श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन समिति, थड़ी मार्केट श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर महिला मण्डल	श्री मोहनलाल गंगवाल श्री पवन कुमार जैन (नगीना वाले) श्रीमती भंवरी बाई	श्री गिरिश कुमार जैन श्री अनिल कुमार जैन	-------	श्री ज्ञानचन्द जैन श्री शरद हींगड़ डॉ. अजीत कुमार जैन
18.	26 मार्च	प्रातः 9 से 1 बजे तक	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर मधुवन, किसान मार्ग, टोंक फाटक, जयपुर	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर प्रबन्ध समिति जय जिनेन्द्र महिला मण्डल सेवार्थ संगठन	श्री संतोष जैन अनोपड़ा श्रीमती उषा छाबड़ा	श्री अनिल छाबड़ा श्रीमती मंजू पहाड़िया	श्रीमती माणक देवी, दिलीप, किशोर, सुनील, अभिनव कासलीवाल श्री सुभाष चन्द-प्रभारानी जैन श्रीमती मनोरमा, सुनील, अनिल छाबड़ा	श्री राजेश छाबड़ा श्री जितेन्द्र पाटौदी
19.	26 मार्च	प्रातः 9 से 3 बजे तक	वर्धमान भवन, दिगम्बर जैन समाज समिति नेमीसागर कॉलोनी, वैशाली नगर, जयपुर	श्री नेमीनाथ दिगम्बर जैन समाज समिति	श्री जे.के. जैन (कालाडेरा)	श्री प्रदीप निगोतिया	-------	श्री जयकुमार बड़जात्या, पूनम ठोलिया विपिन पाटनी, नीरज पहाड़िया विकास कासलीवाल, गौरव अजमेरा, राजेन्द्र सेठी
20.	27 मार्च	प्रातः 10 से 3 बजे तक	जिला सत्र न्यायालय, सांगानेर बम्बाला पुलिया, प्रताप नगर, जयपुर	दी बार ऐसोशिएशन, सांगनेर	एडवोकेट महावीर सुरेन्द्र जैन	एडवोकेट नेमीचन्द सांभरियां	-------	एडवोकेट सुरेन्द्र कुमार जैन एडवोकेट संजय कुमार जैन एडवोकेट अमित जैन
21.	29 मार्च	प्रातः 10 से 3 बजे तक	ARL Infratech Ltd. Village Dhami Khurd, bagru, N.H-8 Ajmer Hiway	ARL Infratech Ltd.	श्री नन्द किशोर, प्रमोद पहाड़िया	-------	-------	श्री मधु थानवी
22.	1 अप्रेल	प्रातः 10 से 4 बजे तक	Yes Boys PG Hostel 500 Surya Nagar, Near Gangotri Garden, Gopal Pura Bypass	सोशल एण्ड ब्लड एड सोसायटी	श्री राकेश गोदिका	श्री जयकुमार बड़जात्या	श्री अनिल जाट (स्व. श्री चौधरी रामनाथ जी बिजारणियां की पुण्य स्मृति में)	श्री मनीष लोंग्या, श्री सुधीर गोधा श्री अनिल रांवका, श्री अशोक सेठी
23.	2 अप्रेल	प्रातः 9 से 3 बजे तक	प्रज्ञा इंस्टीट्यूट ऑफ पर्सनेलिटी डवलपमेंट गली नं. 6, बरकत नगर, जयपुर	प्रज्ञा इंस्टीट्यूट ऑफ पर्सनेलिटी डवलपमेंट	श्री सौरभ जैन (डॉयरेक्टर)	अनिषा गोयल	-------	श्री जय सोनी श्री तरूण शर्मा
24.	2 अप्रेल	प्रातः 9 से 3 बजे तक	श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर संघी जी सीटीएस बस स्टेण्ड, सांगानेर, जयपुर	श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर समिति जैन सोश्यल ग्रुप महानगर	श्री प्रेमचन्द बज श्री संजय जैन आवां	श्री सुरेश कासलीवाल श्री सुनील गंगवाल	-------	श्री पुखराज-गितीका जैन श्री अभय-अनिता बोहरा
25.	2 अप्रेल	प्रातः 9 से 1 बजे तक	पार्श्वनाथ भवन नाटाणियों का रास्ता, चौड़ा रास्ता	श्री दिगम्बर जैन मुनि संघ प्रबन्ध समिति	श्री देव प्रकाश खण्डाका	श्री ओमप्रकाश काला	श्रीमती ललिता जी जायसवाल (पार्षद)	श्री मुकेश जैन श्री रमेश गंगवाल श्री राजेश गंगवाल
26.	2 अप्रेल	प्रातः 9 से 2 बजे तक	अपेक्स इन्टरनेशनल स्कूल लालकोठी, जयपुर	जैन सोश्यल ग्रुप राजधानी जैन सोश्यल ग्रुप कैपिटल संगिनी फोरम, जयपुर	श्री अरूण-सुमन जैन श्रीमती मीना-सुनील चौधरी	श्री दिलीप-नमिता टकसाली श्रीमती अलका-सुधीर गोधा	श्री केशव (अज्जू जी)-सपना गोदिका (के.जी.जैम्स)	श्री संजय-मीनू जैन श्री ऋषभ-निशा जैन श्रीमती कविता-मंयक भोंच श्रीमती मिनाक्षी-मनीष जैन
27.	2 अप्रेल	प्रातः 10 से 1 बजे तक	एम्बीशन किड्स एकेडमी 62/121, प्रताप नगर, श्योपुर, मेन रोड़, सांगानेर	दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर एम्बीशन किड्स एकेडमी	डॉ. एम.एल. जैन 'मणि' डॉ. मनीष जैन 'मणि'	श्री विजय चंद कासलीवाल डॉ. अलका जैन	-------	डॉ. शान्ति जैन 'मणि' श्रीमती अनिता जैन श्रीमती भूमि जैन
28.	2 अप्रेल	प्रातः 9 से 1 बजे तक	जय सागर फार्म हाऊस सिमलियां रोड़, नवग्रह जैन मन्दिर के पास, वाटिका	सोशल एण्ड ब्लड एड सोसायटी	श्री राकेश गोदिका	श्री जयकुमार बड़जात्या	श्री मनीष-शोभना लोंग्या श्री सन्नी-रिद्धि लोंग्या	श्री राजेश-रानी पाटनी श्री दिलीप-प्रमिला पाटनी
29.	2 अप्रेल	प्रातः 9 से 1 बजे तक	श्री महावीर दिगम्बर जैन मन्दिर प्रांगण सेक्टर-5, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर	लाडो सामाजिक सेवा संस्थान "करो रक्तदान बनों महान"	श्री नितेश जैन श्री गौरी शंकर राजावत	श्रीमती मीनू जैन कु. हर्षिता जैन	श्री बाबूलाल जी, संदीप पाण्ड्या श्री सतीश अजमेरा श्री णमोकार जैन	श्री प्रद्युमन बाकलीवाल दीपक जैन, सौरभ अजमेरा सुमित पहाड़िया, सुनील चौधरी
30.	2 अप्रेल	प्रातः 8 से 2 बजे तक	वर्धमान हॉस्पिटल जयपुर रोड़, गंगापुर सिटी	दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप गंगापुर सिटी	श्री विमल जैन गोधा	डॉ. मनोज जैन	वर्धमान हॉस्पिटल गंगापुर सिटी	श्री नरेन्द्र-नीता जैन नृपत्या

समाज भूषण स्वर्गीय श्री राजेन्द्र के. गोधा जी की पुण्य स्मृति में

भक्तामर स्तोत्र दीप अनुष्ठान एवं जीवन रक्षक सम्मान समारोह-2023

(रक्तदान शिविर आयोजन करने में सहयोग करने वाली समस्त संस्थाओं का सम्मान किया जायेगा)

रविवार, 2 अप्रेल 2023
सायं 7.00 बजे से
छतरी वाला भाग, भट्टारक जी की नशियां
नारायण सिंह सर्किल, जयपुर

:: आयोजन समिति ::

मुख्य समन्वयक: यश कमल - संगीता अजमेरा | परामर्शक: दर्शन - विनीता बाकलीवाल | समन्वयक: मनीष - शोभना लोंग्या

सह-समन्वयक :: विनोद - हेमा सोगानी, चक्रेश -पिंकी जैन, अनिल-प्रेमा रांवका
राजेश - रानी पाटनी, अनिल - ज्योति जैन चौधरी

संयोजक :: धीरज-सीमा पाटनी, नितेश-मीनू पाण्ड्या,
संजय-ज्योति छाबड़ा, सपन-रजनी जैन छाबड़ा, पंकज-नीना जैन
विजय-माया झांझरी, सुधीर-अलका गोधा, अजय-वर्षा बाकलीवाल

निवेदक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप राजस्थान रीजन, जयपुर

राजेश-सीमा बड़जात्या (अध्यक्ष) | अनिल-शशि जैन (संस्थापक अध्यक्ष) | निर्मल-सरला संघी (महासचिव)
महेन्द्र कुमार पाटनी (वरिष्ठ परामर्शक) | सुरेन्द्र-मदुला पाण्ड्या (परामर्शक) | नवीन सेन-शशि जैन (परामर्शक)
यशकमल-संगीता अजमेरा (निर्वतमान अध्यक्ष) | अतुल-निलिमा बिलाला (पूर्व अध्यक्ष) | पारस-मंजू जैन (कोषाध्यक्ष)

आयोजक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर

राकेश-समता गोदिका (अध्यक्ष) | दिनेश-संगीता गंगवाल (परामर्शक) | मनीष-शोभना लोंग्या (कार्याध्यक्ष) | सुनील-सुनीता गोदिका (उपाध्यक्ष) | चक्रेश-पिंकी जैन (उपाध्यक्ष) | राकेश-रेणु संघी (उपाध्यक्ष) | महेन्द्र-सुनिता कासलीवाल (उपाध्यक्ष) | अनिल-निशा संघी (सचिव)
कमल-मंजु ठोलिया (सांस्कृतिक सचिव) | राजेश-रितु छाबड़ा (संगठन सचिव) | राजेश-रानी पाटनी (संगठन सचिव) | प्रदीप-प्राची बाकलीवाल (संयुक्त सचिव) | चेतन-डॉ.अनामिका पापडीवाल (संयुक्त सचिव) | राजेन्द्र-कुसुम जैन (खेल सचिव) | अनिल-अनिता जैन (कोषाध्यक्ष)

कार्यकारिणी सदस्य : अनिल-ज्योति चौधरी ✲ डॉ अनुपम-विनीता जैन ✲ सपन-रजनी छाबड़ा ✲ नितेश-मीनू पाण्ड्या ✲ विशेष आमंत्रित : अशोक-अर्चना पाटनी ✲ अशोक सेठी

सम्पर्क सूत्र :: 9414078380, 9829067076, 9785074581, 9887555249, 9414073035

मुद्रक : वर्धमान प्रिण्टर्स 9314263204

महुआ जिला भीलवाड़ा में हुआ आर्यिका श्री विज्ञाश्री माताजी का मंगल प्रवेश

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

गुरु मां विज्ञाश्री माताजी का महुआ भीलवाड़ा में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। भव्य जुलूस के साथ संपूर्ण समाज ने गुरु मां के मंगल प्रवेश में अपनी सहभागिता निभाई। जुलूस के मार्ग में जगह जगह रंगोलियां पादप्रक्षालन आरती एवं तोरणद्वार सजा कर एवं लावजामा के साथ पूरी समाज ने भव्य मंगल प्रवेश कराया। प्रवेश के तद्पश्चात हृदय को पुलकित करने वाली और प्रभु के मिलन करने वाली आनंद यात्रा का आयोजन हुआ। इस अवसर पर महूआ समाज ने महावीर जंयती के लिए श्रीफल समर्पित किया और भक्ति भाव के साथ गुरु मां आरती करके पुण्यलाभ लिया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

अपसंस्कृतिः आदर्शों के पतन को रोके

आधुनिकता की चकाचौंध में हमें अपनी संस्कृति, सभ्यता व संस्कारों को दरकिनार नहीं करना चाहिए। आज के समय में हम शिष्टाचार, नैतिकता को भूलते जा रहे हैं। शिष्टाचार व नैतिकता हमारे जीवन में बहुत अहम चीजें हैं। किसी भी विषय को ले लें, हम अपनी युवा पीढ़ी पर पूरा दोष डाल कर अपना पल्ला झाड़ लेते हैं। सवाल यह नहीं कि आज की युवा पीढ़ी में नैतिकता व शिष्टाचार की कमी हो रही है। सवाल यह भी है कि क्या सिर्फ युवा पीढ़ी पर दोषारोपण से हमारी जिम्मेदारी समाप्त हो जाती है। क्या हम युवा पीढ़ी के लिए अपना कर्तव्य निष्ठा से निभा रहे हैं। क्या सारी गलती युवा पीढ़ी की ही है। मुझे नहीं लगता कि आज की युवा पीढ़ी सौ प्रतिशत गलत है। आज उनमें संस्कारों की कमी अगर हो रही है तो उसकी वजह सिर्फ और सिर्फ हम ही हैं। क्यों हम उनमें संस्कार नैतिकता शिष्टाचार नहीं भर पा रहे हैं? यह एक सोचने का विषय है। बच्चों का अनैतिक होना हमारी कमजोरी है। बचपन में दादा-दादियों द्वारा हमें अच्छी-अच्छी कहानियाँ सुनाई जाती थीं। कहते हैं कि जब बच्चा छोटा होता है तो उसका दिमाग बिलकुल शून्य होता है। आप उसको जिस प्रकार के संस्कार व शिक्षा देंगे उसी राह पर वह आगे बढ़ता है। अगर वाल्यकाल में बच्चों को यह शिक्षा दी जाती है कि चोरी करना बुरी बात है तो वह चोरी जैसी हरकत करने से पहले सौ बार सोचेगा। छोटी अवस्था में बच्चों को संस्कारित करने में माता-पिता, दादा-दादी व बुजुर्गो का बड़ा हाथ होता था। कहानियां भी प्रेरणादायी होती थीं। बचपन में नैतिक शिक्षा की प्रेरणादायक कई किताबें बच्चों के पास उपलब्ध हुआ करती थी परंतु आज के समय में बच्चे मोबाइल, टीवी, कॉमिक्स, वीडियो गेम कंप्यूटर विभिन्न प्रकार के सोशल मीडिया में आने वाले वीडियो पर अपना ध्यान केंद्रित कर के बैठे हुए हैं। बचपन में महापुरुषों की कहानियाँ सुना कर बच्चों में एक आत्मविश्वास भरा जाता था उनके संघर्ष की कहानी सुना कर उन्हें ओजस्वी बनाया जाता था, लेकिन आजकल किसी को भी किताबें पढ़ने की फुर्सत नहीं है। पुस्तक की शॉप में भी आजकल पुस्तके बिकना बंद हो गई है लोग अपना रुझान मोबाइल की तरफ लगा बैठे हैं मोबाइल में आने वाले समाचार पत्र पत्रिकाएं सब पीडीएफ द्वारा उन्हें प्राप्त हो जाती है लोग किताबें खरीद के पढ़ना नहीं चाहते हैं। आजकल सीरियल में दिखाए जाने वाले सास बहू के झगड़े घरेलू कलह का कारण बनते हैं समाज में कई तरह के प्रदूषण भी यह सीरियल फैला रहे हैं षड्यंत्र और साजिशों के मसालों के साथ दर्शकों को क्रूर बनाया जा रहा है। सामाजिक विकृति को बढ़ावा मिल रहा है मन मस्तिष्क में नकारात्मक दृष्टिकोण पैदा करके रिश्तो में खटास लाने परिवार में भावनात्मक अलगाव की स्थिति पैदा करने की स्थितियां उत्पन्न हो रही है। पाश्चात्य की ओर बढ़ने वाले कदम हमारी भारतीय संस्कृति को धूमिल कर रहे हैं। अंग्रेजी नववर्ष से लेकर वैलेंटाइन डे और ना जाने कितने ही अंग्रेजी त्योहार की आड़ में हम सनातन धर्म को भूलते जा रहे हैं। वर्तमान में भारत में अनेक समस्याएं राक्षस की तरह विकराल रूप ले रही है लेकिन ज्यादातर लोग धन कमाने की होड़ में लगे हुए हैं समस्याओं को सभी अनदेखा कर रहे हैं अशिक्षा, गरीबी, बेरोजगारी जैसे मुद्दे उठाकर जमीन से जुड़े सीरियल चैनल बनाना किसी को नहीं आता। संगीत, नृत्य, इत्यादि का ज्ञान बच्चे नहीं ले रहे हैं और किसी भी प्रकार के फूहड़ गाने पर वह नाचने लगते हैं। आज समाज में नैतिकता की कमी होती जा रही है। एक समय था जब बच्चे बड़े बुजुर्गो के पांव छू कर प्रणाम करते थे व आशीर्वाद लेते थे। बदलते समाज से हमारी कार्य करने की गति ही नहीं बढ़ी है, बल्कि इसके साथ नई पीढ़ी में नैतिकता व शिष्टाचार की कमी होती जा रही है। पहले संयुक्त परिवार की प्रथा थी, जिसमें सभी साथ रहते थे। बड़ों का लिहाज व सम्मान करना वहीं सीखते थे, लेकिन आज हर कोई छोटे परिवार में रहना चाह रहा है। इससे हम अपने बच्चों को संस्कार व नैतिक मूल्यों की शिक्षा नहीं दे पा रहे हैं। स्वयं हम अपने बच्चों को समझा ही नहीं पा रहे हैं कि नैतिकता, शिष्टाचार व संस्कार क्या होते हैं। इन सबको बताने का हमारे पास ही समय नहीं है। जैसे हर सिक्के का दो पहलु होता हैं। वैसे ही हर चीज का अच्छा व बुरा दोनों पक्ष होता हैं। यह मनुष्य पर निर्भर है कि वह कौन से पहलु का चुनाव करते हैं। अच्छे पक्ष का चुनाव हमें ऊंचाइयों तक पहुंचा देता है और गलत पहलु कहीं का नहीं छोड़ता। यही आज हो रहा है। आज की पीढ़ी नैतिकता व शिष्टाचार को भूल रही है। नैतिकता का न होना ही अशिष्टता का मुख्य कारण है। नैतिकता हमें हमारे परिवार व समाज से मिलती है। समाज हमारा उत्थान करने में सहायक होता है। शिक्षकों व अभिभावकों का नैतिक कर्तव्य है कि युवा पीढ़ी को नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूक करें।

यह मनुष्य पर निर्भर है कि वह कौन से पहलु का चुनाव करते हैं। अच्छे पक्ष का चुनाव हमें ऊंचाइयों तक पहुंचा देता है और गलत पहलु कहीं का नहीं छोड़ता। यही आज हो रहा है। आज की पीढ़ी नैतिकता व शिष्टाचार को भूल रही है। नैतिकता का न होना ही अशिष्टता का मुख्य कारण है। नैतिकता हमें हमारे परिवार व समाज से मिलती है।

पूजा गुप्ता: मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश)

श्री दिगम्बर जैन मन्दिरजनकपुरी ज्योति नगर जयपुर में आदिनाथ जन्म व तप कल्याणक पर अभिषेक पूजन व जाप्य हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन मन्दिर जनकपुरी ज्योति नगर में प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ का जन्म व तप कल्याण भक्ति भाव के साथ मनाया गया। भक्त जनों ने प्रातः अभिषेक शांतिधारा के बाद अष्ट द्रव्य से आदिनाथ पूजन कर भगवान के जन्म व तप कल्याण के अर्घ चढ़ाए। महिलाओं ने भक्तामर विधान भी किया। दोपहर में कुंडलपुर वाले बाबा की प्रतिकृति के समक्ष मन्दिर जी के ध्यान केंद्र में महिला मण्डल की सदस्यों ने आदिनाथ जाप्य किया तथा शाम को आरती की गई।

बख्शीजी के मंदिर में आदिनाथ जयंती मनाई

जयपुर. शाबाश इंडिया

आदिनाथ जन्म जयंती दिगम्बर जैन आदिनाथ स्वामी बख्शीजी, बख्शीजी का चौक, रामगंज बाजार में धूमधाम से मनाया गया। अध्यक्ष सुनील बख्शी ने बताया कि सुबह मूलनायक आदिनाथ भगवान का पंचामृत अभिषेक एवम वृहद शान्ति धारा की गई तत्पश्चात आदिनाथ मंडल विधान पूजन साजो द्वारा किया गया। संध्या को महाआरती एवम 48 दीपकों द्वारा भक्तामर पाठ का वाचन किया गया।

आदिनाथ जन्म एवं तप कल्याणक समारोह सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। सूरजपोल गेट स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर मोहनवाडी जयपुर में मूलनायक देवाधिदेव 1008 भगवान आदिनाथ स्वामी का भव्यातिभव्य जन्म एवं तप कल्याणक समारोह प्रातः 6.30बजे से सौधर्म इन्द्र श्री नेमि कसेरा ने 1008 कलशो से अषिषेक द्वारा प्रारम्भ किया शताधिक इन्दो ने जल इक्षु रस दुग्ध दही धृत केशर एवं सर्वोषधि द्वारा भगवान का पंचामृत अभिषेक किया तत्पश्चात संगीतकार श्री ज्ञान चंद महुआ की मधुर स्वर लहरियो द्वारा आदिनाथ मण्डल विधान का आयोजन श्री राजीव जी पांड्या के सौधर्म इन्द्रत्व में किया गया। भगवान का गर्भ जन्म एवं तप कल्याणक नाट्य रूपांतरण किया गया श्री नरेन्द्र एवं सरिता जी बाकलीबाल को माता पिता श्री पारस एवं पूजा पाटनी को कुबेर बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मंदिर प्रबन्ध कारिणी समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र बिलाला ने बताया कि विधि विधान का सम्पूर्ण कार्यक्रम प्रतिष्ठाचार्य पं प्रद्युम्न कुमार शास्त्री के कुशल निर्देशन में सम्पन्न हुआ। सम्पूर्ण समाज ने भावविभोर होकर समारोह में भाग लिया।

आदिनाथ भगवान का जन्म ओर तप कल्याणक झुमरीतिलैया में मनाया गया

झुमरीतिलैया. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन समाज झुमरीतिलैया के सानिध्य में श्री दिगम्बर जैन मंदिर जी मे जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर देवाधिदेव 1008 श्री आदिनाथ भगवान का जन्म ओर तप कल्याणक भक्ति भावना से मनाया गया इसमें सर्वप्रथम आदिनाथ भगवान की प्रतिमा पर प्रथम अभिषेक अजय-प्रसम सेठी ओर अनिल-दीपाली पाटोदी के परिवार के द्वारा किया गया। पश्चात समाज के लोगो द्वारा रजत कलशों से महामस्तिकाभिषेक ओर बृहद शांतिधारा राजा सेठी, कमल गंगवाल के द्वारा किया गया। अभिषेक के बाद संगीत मय पूजा सुबोध गंगवाल के मुखारबिंद से कराया गया जिसमें सभी भक्त झूम झूम कर एक एक अर्घ श्री जी के चरणों मे समर्पित किया गया। इस अवसर पर समाज के मंत्री ललित सेठी ने कि कहा कि अनादिकाल से जैन धर्म चल रहा है जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ भगवान ने सभी को असी, मसि,कृषि आदि की शिक्षा देकर मानवता की जीवन यापन सिखाया और भारत देश का नाम आदिनाथ भगवान के पुत्र भरत के नाम से भारत देश पडा। जन्म कल्याणक महोत्सव के पूर्व संदया में 48 दीपकों से भक्तामर पाठ अरुण-सिमा गंगवाल रांची के द्वारा हुवा। रात्रि में पालना झुलाने के साथ आरती इर भजनों का कार्यक्रम हुआ। **कोडरमा मीडिया प्रभारी जैन राज अजमेरा, नविन जैन।**

नेमीसागर कालोनी में भगवान आदिनाथ का जन्मोत्सव मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन मंदिर नेमीसागर कालोनी में प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ के जन्म जयंती पर 108 रजत कलशो से ऋद्धि मंत्रो के साथ अभिषेक किया गया। अध्यक्ष जे के जैन कालाडेरा ने बताया कि इस अवसर पर शांतिधारा कर विश्व शान्ति एवं समृद्धि की मंगल कामना की गई। श्री नेमीनाथ दिगम्बर जैन समाज समिति के पूर्व अध्यक्ष डी सी जैन ने अपने संबोधन में कहा कि जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ ने दुनिया को असी, मसी और कृषि का ज्ञान दिया। इस पर्व को हर्षोल्लास पूर्वक मनाना चाहिए। इस अवसर पर श्रावको द्वारा आदिनाथ विधान मंडल पूजन का आयोजन ब्र.संगीता एवं सुनिता दीदी के सानिध्य में किया गया ।

भक्तिभाव से मनाया आदिनाथ भगवान का जन्म और तप कल्याणक महोत्सव

सीकर. शाबाश इंडिया

गुरुवार को शहर के सभी जैन मंदिरों में जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ का जन्म एवं तप कल्याणक महा महोत्सव मनाया गया। प्रातःकाल सभी जैन मंदिरों में भगवान आदिनाथ के कलशाभिषेक हुए । सेठी कॉलोनी व तबेला बाजार और नवलगढ़ रोड़ के खेत स्थित जैन मंदिरों में मूलनायक प्रतिमा भगवान आदिनाथ की है । शहर के सभी 11 जैन मंदिरों में विशेष पूजन व विधान आयोजित कर सभी जैन धर्मावलंबियों ने भक्तिभाव से भगवान आदिनाथ की आराधना की । जाटिया बाजार स्थित दीवान जी की नसियां में इस अवसर पर प्रातःकाल भक्तामर विधान किया गया। मंत्रोच्चार के साथ श्लोक और साज से पूरा मंदिर व आसपास का माहौल भगवान की भक्ति के रंग में रंग गया। विवेक पाटोदी ने बताया कि दिगम्बर जैन महिला महासमिति की ओर से सांयकाल तबेला बाजार स्थित जैन मंदिर में मंगल गीत गाये गए । इस अवसर पर समाज की महिलाएं उपस्थित थी , उन्होंने तालियां बजाकर और झूम कर पूरे उमंग व उत्साह के मंगल गीत गाकर भगवान आदिनाथ की भक्ति की व सभी की कुशलता की कामना की । विवेक पाटोदी ने बताया कि जैन धर्म के प्रथम तीर्थकर आदिनाथ ऋषभदेव ने इस युग में असि मसि कृषि, शिल्प कला और वाणिज्य षटकर्मा की शिक्षा दी। जिसके बाद उन्होंने अनेक वर्षों तक न्यायपूर्वक राज्य किया। राज्य दरबार में नीलाण्जना का नृत्य देखकर वे सांसारिक शरीर भोगों से विरक्त हो दिगंबर मुनि की दीक्षा लेकर छः माह का उपवास धारण कर योग साधना में लीन रहे । दीक्षा पूर्ण करने के छः माह ग्यारह दिनों के बाद आदिनाथ भगवान का प्रथम आहार वैशाख सुदि तृतीया के दिन हुआ।

भट्टारक जी की नसिया में 48 मण्डलो पर ऋद्धि मंत्रो से हुआ भक्तामर स्तोत्र दीप अनुष्ठान

हेरिटेज सिटी द्वारा 265 वा भक्तामर स्तोत्र पाठ भी आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान जैन सभा जयपुर के द्वारा में जैन धर्म के प्रवर्तक व प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव (आदिनाथ) एवं उनके पुत्र भरत चक्रवर्ती का जन्म जयन्ती समारोह गुरुवार 16 मार्च को भट्टारकजी की नसियां में भक्ति भाव से मनाया गया। इस मौके पर 48 मण्डलो द्वारा ऋद्धि मंत्रो से युक्त भक्तामर स्तोत्र अनुष्ठान का आयोजन किया गया। सायंकाल 7.15 बजे से आयोजित इस अनुष्ठान में सैकड़ों श्रद्धालुओं द्वारा भगवान आदिनाथ की महाआरती के बाद 48 मण्डलो पर 48 - 48 दीपक प्रज्जवलन कर ऋद्धि मंत्रो से युक्त भक्तामर स्तोत्र अनुष्ठान का संगीतमय पाठ किया गया। मुख्य मण्डल पर दीप प्रज्जवलन अशोक कुमार अंकित चांदवाड वह अन्य अतिथियों ने किया। शास्त्र विराजमानकर्ता कपूर चन्द महावीर प्रसाद कसेरा, चतुष्कोणीय दीप प्रज्जवलनकर्ता शांति देवी, अशोक, सुनील बख्शी,कंचन देवी सीए सुनील सपना गोधा लदाना वाले, अतुल राजश्री जैन, डॉ पी सी जैन थे। गायक नरेन्द्र जैन एण्ड पार्टी ने भक्तामर स्तोत्र व भजनों की प्रस्तुति दी। श्रद्धालु गण संगीत की लहरियों पर झूम उठे। मंच संचालन सुभाष बज ने किया। आभार महामंत्री मनीष बैद ने व्यक्त किया।

हेरिटेज सिटी द्वारा 265वां भक्तामर स्तोत्र पाठ भी आयोजित

भगवान आदिनाथ के जन्म कल्याणक दिवस के उपलक्ष में भक्तामर स्तोत्र पाठ में जैन सोशल ग्रुप हेरिटेज सिटी के सदस्यो ने खूब भक्ति की ग्रुप अध्यक्ष महावीर सेठी ने बताया कि इसी कार्यक्रम में ग्रुप का 265 वा भक्तामर स्तोत्र पाठ भी आयोजित किया।

आदिनाथ जयंती पर निकाली भव्य शोभायात्रा

महाभिषेक के साथ की भगवान की आराधना, स्वास्थ शिविर में पांच सौ लोगों को दी चिकित्सा सुविधा

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

जगत को जीवन जीने की कला सीखाने वाले अषि मषि कृषि विद्या वाणिज्य और शिल्प का उपदेश देकर जगत को संभालने वाले युग के आदि में महाराजा नाभिराय के घर जन्मे राजा रिषभ देव की जन्म जयंती जिले के सबसे बड़े तीर्थ अतिशय क्षेत्र दर्शनोंदय तीर्थ थूवोनजी में भक्ति भाव से मनाई गई। इस दौरान भगवान की भव्य पालकी निकाली गई इसके साथ ही चिकित्सा शिविर का आयोजित स्व अरविंद जैन की स्मृति में टिंगू मिल परिवार के पुण्यार्यजन में किया गया। इस दौरान गुरुवार मंडल के संयोजक शैलेन्द्र श्रागर ने कहा कि परम पूज्य निर्यापक श्रमणमुनिपुंगव श्रीसुधासागर जी महाराज ने आज के दिन को तीर्थंकर दिवस नाम दिया जिसे हम भक्ति भाव के साथ भगवान की संगीतमय महा आराधना के साथ मना रहे हैं।

बेटियों को सर्व प्रथम शिक्षा देने वाले थे भगवान रिषभदेव : विजय धुर्रा

थूवोनजी कमेटी के प्रचार मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि दुनिया में सबसे पहले बेटियों को शिक्षा देने का काम राजा रिषभ देव ने किया युग के आदि में डूबती मानवता को बचाने वाला जगत को असी, मसी, कृषि, शिल्प, कला और वाणिज्य का उपदेश देकर व्यवस्थित जीवन जीने का मार्ग बताने वाले अहिंसा धर्म के प्रणेता देकर संसार का उपकार करके रहे जगत उन्हें आदि पुरुष, आदि ब्रह्मा, आदिश्वर आदिनाथ भगवान के रूप में जानते हैं जिनकी हम जन्म जयंती पूरी श्रद्धा के साथ मना रहे हैं विनोद मोदी ने कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए बहुत विशेष है क्योंकि हम सभी मंडलों के रूप में यहां आते हुए भी पहली बार पालकी निकाल रहे हैं।

महाभिषेक के साथ की जगत कल्याण के लिए महा शान्ति धारा

कमेटी के महामंत्री विपिन सिंघाई ने कहा कि परम पूज्य आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज के आशीर्वाद से विभिन्न कार्यक्रम के साथ भक्ति भाव से गुरुवार मंडल के संयोजन में मना रहे हैं इसके साथ ही हमारे मंगलवार मंडल शनिवार मंडल का विशेष सहयोग इस समारोह

में रहा। इसके बाद भगवान आदिनाथ जिनालय से भगवान को रजत विमान में विराजमान कर मन्दिर नम्बर सोलह आदि नाथ जिनालय होते हुए बड़े बाबा मन्दिर पहुंचकर विशाल धर्मसभा में बदल गई जहां भगवान का पाडूकशिला पर महा मस्तिकाभिषेक किया गया जिसका सौभाग्य क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टिंगू मिल शिरोमणि संरक्षण शालू भारत उपाध्यक्ष राकेश अमरोद शिरोमणि संरक्षण संजीव श्रागर ने किया वहीं जगत कल्याण की कामना के लिए महा शान्ति धारा मिडिया प्रभारी अरविंद जैन कचंनार दयोदय महासंघ के महामंत्री राकेश लालाजी संरक्षण प्रमोद मंगलदीप जैन जागृति मंडल अध्यक्ष नितिन बज के साथ वन्टी भाई कैंची वीडी कैलाश कत्था राहुल सिघई सहित अन्य भक्तों ने किया।

चिकित्सको का दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी ने किया सम्मान

दोपहर में आचार्य श्री विद्यासागर सभा भवन में स्व श्री अरविन्द जैन टींगू की स्मृति में टिंगू मिल परिवार के पुण्यार्यजन में स्वस्थ व चिकित्सक शिविर का आयोजित किया गया जिसमें डॉ नीतेश जैन जिला चिकित्सालय के शिशुरोग विशेषज्ञ) डॉ दीप्ति सुरना (स्त्री रोग विशेषज्ञ) डॉ मनोज जैन डॉ सुगन चन्द्र जी डा संदीप जैन जिला चिकित्सालय डॉ पंकज जैन डॉ एस के पाटनी डॉ पंकज जैन अमरोद डॉ यादव डॉ मोनू जैन चिकित्सा सहयोगी हेमंत टडैया, दिनेश गुप्ता का सम्मान कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टिंगू मिल उपाध्यक्ष गिरिश जैन,राकेश अमरोद , धर्मेन्द्र महामंत्री विपिन सिंघाई, मंत्री विनोद मोदी, राजेन्द्र हलवाई, प्रचार मंत्री विजय धुर्रा, मिडिया प्रभारी अरविंद जैन, आडिटर राजीवचन्देरी सुनील अखाई मनोज भोला युवा वर्ग के अध्यक्ष सुलभ अखाई जैन जागृति मंडल के अध्यक्ष नितिन बज ने श्री फल स्मृति चिन्ह बड़े बाबा का चित्र भेंट कर सम्मानित किया। सभी का धन्यवाद कमेटी के उपाध्यक्ष गिरिश अथाइखेडा ने किया।

वीर CA अनिल जैन, अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित

जयपुर. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल एसोसिएशन (महावीर इंटरनेशनल अपैक्स) के सत्र 2023 - 25 के कार्यकाल के लिए इस संस्था ने वीर CA अनिल जैन, दिल्ली को सर्वोच्च पद के लिए अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित किया है। वे वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय महासचिव के महत्वपूर्ण पद पर आसीन थे। वे वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष वीर शांति कुमार जैन, आई. पी. एस. (रि.) का स्थान लेंगे जिनका 4 वर्ष का अधिकतम कार्यकाल 31 मार्च 2023 को समाप्त हो रहा है।महावीर इंटरनेशनल 47 वर्षों से निरंतर कार्यरत, किसी भी धर्म, जाति, रंग, पंथ और मान्यताओं से परे, प्राणीमात्र की सेवा में समर्पित एक प्रतिष्ठित एवम विश्वसनीय नाम (NGO) है। इसका मूलभूत ध्येय है "सब से प्यार, सब की सेवा!" के उद्देश्य स्थापित इस संस्था का ध्येय है कि "सेवा करो मगर प्यार और सत्कार से।"आज यह एक देश व्यापी संस्था बन गई है जो 10 रीजन, 30 जोन, 340 केंद्रों और 10000 परिवारों के माध्यम से विभिन्न प्रोजेक्ट्स जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, स्किल डेवलपमेंट, नारी सशक्तिकरण, बाल विकास आदि को जरुरतमंदों के लिए लगातार सफलता पूर्वक संचालित करके प्राणीमात्र के लिए निस्वार्थ सेवा का पर्याय बन गई है। राजस्थान के जयपुर शहर में स्थित मुख्य कार्यालय द्वारा नियंत्रित यह संस्था सभी तरह के आवश्यक पंजीकरण, योग्यताओं और साधनों से सम्पन्न सभी तरह के भामाशाओ (प्राइवेट/कॉरपोरेट/पब्लिक सेक्टर) के बीच एक विश्वसनीय नाम बन कर उभरी है।वीर अनिल जैन को सक्रिय सहयोग देने के लिए अजमेर के वीर अशोक कुमार गोयल को अंतर्राष्ट्रीय महासचिव के पद पर तथा दिल्ली के वीर सी. ए. सुधीर कुमार जैन को अंतर्राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया गया।